1) गोदान के आधार पर प्रेमचंद के नारी संबंधी दृष्टिकोण का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

हिंदी साहित्य के महान यथार्थवादी उपन्यासकार प्रेमचंद ने समाज के प्रत्येक वर्ग और जीवन के विविध पक्षों को अपनी रचनाओं में स्थान दिया। वे समाज के सच्चे चित्रकार और मानवता के समर्थक थे। उनकी प्रतिनिधि कृति गोदान में किसानों की दुर्दशा, सामंतवादी और पूँजीवादी शोषण, धार्मिक पाखंड, ग्रामीण जीवन की विषमताएँ और विशेषकर नारी की स्थिति का अत्यंत सजीव चित्रण हुआ है। इस उपन्यास में प्रेमचंद का नारी संबंधी दृष्टिकोण स्पष्ट होता है। वे स्त्री को केवल गृहस्थी की सीमा में बाँधकर नहीं देखते, बल्कि उसे त्याग, सहनशीलता, आत्मसम्मान और सामाजिक चेतना की मूर्ति मानते हैं।

(i) नारी: त्याग और सहनशीलता की प्रतिमूर्ति

प्रेमचंद ने भारतीय नारी के धैर्य और त्याग को उच्च स्थान दिया है।

- धनिया इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वह होरी की पत्नी होते हुए भी केवल गृहस्थ जीवन की साथी नहीं, बल्कि पूरे परिवार की धुरी है।
- होरी की मूर्खताओं, कर्ज, शोषण और समाज के अन्यायों के बावजूद धनिया सब सहती है और घर को बिखरने नहीं देती।
- वह कठिन परिस्थितियों में अपने बच्चों और पति को संभालती है।

उदाहरण:- जब होरी जमीन और बैल खोकर निराश हो जाता है, तब धनिया ही उसका मनोबल बढ़ाती है। इस प्रकार प्रेमचंद ने उसे भारतीय नारी की आदर्श छवि बनाया है।

(ii) नारी का आत्मसम्मान और विद्रोह

प्रेमचंद स्त्री को केवल मौन पीड़िता नहीं मानते। वे उसमें विद्रोही चेतना और आत्मसम्मान को भी प्रकट करते हैं।

- धनिया कई बार अपने पति और समाज की अन्यायपूर्ण परंपराओं के विरुद्ध खुलकर बोलती है।
- वह यह मानती है कि स्त्री को केवल चुपचाप सहना ही उसका धर्म नहीं है, बल्कि सत्य और न्याय की रक्षा करना भी उसका कर्तव्य है।
- होरी के झूठ और लालच से परेशान होकर वह सीधे-सीधे उसे ताना देती है और सुधारने का प्रयास करती है।

इस प्रकार प्रेमचंद के अनुसार स्त्री में विद्रोही स्वर और आत्म-सम्मान की भावना मिश्रित है।

(iii) शहरी नारी का आधुनिक रूप :
गोदान में ग्रामीण जीवन के साथ-साथ शहरी उच्चवर्गीय जीवन का भी चित्रण
यहाँ की स्त्रियाँ ग्रामीण स्त्रियों से भिन्न हैं।
- मालती आधुनिक, शिक्षित और स्वतंत्र विचारों वाली नारी है। वह आर्थिक रूप से स्व
है और विवाह को जीवन का अनिवार्य हिस्सा नहीं मानती।
- वह केवल भोग-विलास में नहीं उलझती, बल्कि समाज सेवा और निःस्वार्थ जीवन में
खोजती है।
- उपन्यास के अंत में वह अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर जनसेवा का मार्ग चुनती
मालती का चरित्र प्रेमचंद की आधुनिक नारी दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें स्वतंत्रता, आत्मनि
और सामाजिक जिम्मेदारी तीनों शामिल हैं।

(iv) शोषित नारी का यथार्थ चित्रण
प्रेमचंद ने समाज में नारी के शोषण और उसकी दयनीय स्थिति को भी गहराई
उभारा।
- झुनिया इसका मार्मिक उदाहरण है। उसका गोबर से संबंध अवैध माना जाता है
गाँव का समाज उसे बहिष्कृत करने का प्रयास करता है।
- प्रेमचंद ने झुनिया के माध्यम से यह दिखाया कि स्त्री हमेशा सामाजिक मान्यता
का शिकार होती है, जबकि उसी अपराध में पुरुष को दोषी नहीं ठहराया जाता
- झुनिया की स्थिति से स्पष्ट है कि समाज की व्यवस्था स्त्री के प्रति कितनी कठोर
और अन्यायपूर्ण है।

(v) नारी: समाज सुधार की प्रेरक शक्ति
प्रेमचंद स्त्री को केवल परिवार की मर्यादा का रक्षक न मानकर उसे समाज सुध
का माध्यम भी मानते हैं।
- धनिया का संघर्ष और मालती का समाज-सेवा का संकल्प यह स्पष्ट करता है
स्त्रियों में समाज को बदलने की क्षमता निहित है।
- वे केवल गृहस्थ जीवन तक सीमित न रहकर सामाजिक चेतना और सुधार क
वाहक भी हो सकती हैं।

classmate
Date :
Page :

(vi) नारी का मातृत्व और संवेदनशीलता :

प्रेमचंद ने गोदान में नारी के मातृत्व और उसकी कोमल संवेदनाओं को भी विशेष महत्व दिया है।

- धनिया केवल पत्नी ही नहीं, बल्कि एक आदर्श माँ भी है। वह अपने बच्चों की भूख-प्यास, पढ़ाई और भविष्य के लिए निरंतर संघर्ष करती है।
- झुनिया के चरित्र में मातृत्व की करुणा और स्नेह झलकता है, जो उसे समाज के अन्याय के बीच भी जीने की शक्ति देता है।
- प्रेमचंद यह दिखाते हैं कि नारी की ममता परिवार और समाज दोनों को एकजुट रखने वाली शक्ति है।

* निष्कर्ष :

गोदान में प्रेमचंद ने नारी के विविध रूप प्रस्तुत किए -

- धनिया - त्याग और संघर्ष की प्रतिमूर्ति
- झुनिया - शोषित और पीड़ित नारी का प्रतीक
- मालती - आधुनिक और स्वतंत्र चेतना वाली नारी का प्रतिनिधित्व करती है।

इस प्रकार प्रेमचंद का नारी संबंधी दृष्टिकोण बहुआयामी, यथार्थवादी और मानवीय है। वे नारी को केवल घर की शोभा या परंपरा की रक्षक मानकर संतुष्ट नहीं होते हैं, बल्कि उसे समाज की रीढ़ और परिवर्तन की आधारशिला मानते हैं। यही कारण है कि गोदान आज भी नारी-संबंधी यथार्थ चित्रण और सामाजिक दृष्टिकोण के लिए अद्वितीय माना जाता है।